मच गई है लूट...जेब में पैसा है तो प्राइवेट में लगवा लो वैक्सीन

फरीदाबाद में निजी अस्पताल अलग-अलग रेट लेकर अपने कैंपों में आसानी से लगा रहे हैं वैक्सीन

ग्रेटर फरीदाबाद की कन्फैडरेशन ने पेश किया समस्या का हल, प्रशासन को सहयोग देने को तैयार

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: शहर में एक तरफ तो वैक्सीन सेंटरों पर वैक्सीन लगवाने के लिए मारामारी मची हुई है। पुलिस को बुलाना पड़ रहा है। वैक्सीन खत्म पर है। दूसरी तरफ निजी संस्थानों में वैक्सीन 1300 और कहीं-कहीं 1250 रुपये में लगाई जा रही है। जिनके पास पैसा है या जो रसूखदार हैं वे आसानी से वैक्सीन लगवा रहे हैं लेकिन गरीब जनता का पुरसाहाल कोई नहीं है। आखिर प्राइवेट संस्थानों के पास वैक्सीन कहां से आ रही है, स्पष्ट है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों ने मोटी कमाई के लिए वैक्सीन प्राइवेट संस्थानों को बेच दी है और शहर में जनता मारी-मारी फिर रही है।

कहां से आ रही है वैक्सीन

ग्रेटर फरीदाबाद में प्राणायाम सोसायटी में रहने वालों को हाल ही में आरडब्ल्यूए के जरिए एक सूचना भेजी गई कि 23 मई को सोसायटी के कैंपस में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल की तरफ से एक कैंप लगाया जाएगा, जिसमें कोवैक्सीन लगाई जाएगी। सोसायटी की आरडब्ल्यूए ने यह भी साफ किया कि इसके लिए प्रति डोज 1250 रुपये और रजिस्ट्रेशन के 100 रुपये सिर्फ क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से लिए जाएंगे। 18 से ऊपर और 45 साल से नीचे वाले जिन लोगों ने कोविन वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करा रखा होगा, सिर्फ उन्हें ही वैक्सीन लगाई जाएगी। आरडब्ल्यूए ने यह भी साफ किया यह कैंप पूरी तरह से फोर्टिस लगा रहा है और आरडब्ल्यूए सिर्फ सुविधा देने के लिए मौजूद है।

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स ने इसी तरह अपने दूसरे कैंप की घोषणा मानव रचना इंटरनैशनल स्कूल सेक्टर 14 फरीदाबाद के लिए की। यहां पर 25 से लेकर 29 मई तक कैंप लगाया जा रहा है। जहां 18 साल से ऊपर के लोगों को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कोविशील्ड वैक्सीन लगाई जा रही है। लेकिन यहां का रेट 1000 रुपये प्रति डोज रखा गया। जिसमें किसी तरह की कोई और फीस शामिल नहीं है। यहां भी पहले से कोविन वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को ही वैक्सीन लगाने की शर्त रखी गई।

ये मात्र दो उदाहरण हैं कि फरीदाबाद में किस तरह प्राइवेट सेक्टर यानी प्राइवेट अस्पताल दोनों ही वैक्सीन आसानी से लोगों को मुहैया करा रहा है और जिसके पास पैसा हो, वो इन प्राइवेट कैंपों में जाकर लगवा सकता है। मानव रचना कैंप तो हर शहरी के लिए उपलब्ध है। यक्ष प्रश्न यही है कि सरकारी सेंटरों पर जहां मुफ्त वैक्सीन लग रही है और मारामारी है, वैक्सीन खत्म है, लोगों को लग नहीं रही है, ऐसे में प्राइवेट सेक्टर किस तरह ऐसे कैंप आयोजित कर रहा है। वैक्सीन लगाने में सरकार वही चाल चल रही है जिसे सभी समझते हैं यानी अगर आपके पास पैसा नहीं है तो सरकारी अस्पतालों के भरोसे रहो, वहां जब सस्ता इलाज मिलेगा, तब मिलेगा। हां, अगर आपके पास पैसा है तो आप प्राइवेट अस्पताल में अच्छे से अच्छा इलाज करा सकते हैं। यही नियम शिक्षा पर भी है। जेब में पैसा है तो आपके बच्चे महंगे प्राइवेट स्कूल-कॉलेज में पढ़ सकते हैं। पैसा नहीं है तो सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाइए।

सरकार ने कोविड को महामारी खुद घोषित किया है लेकिन लोगों को वैक्सीन के अभाव में मरने के लिए छोड़ दिया है। इसी बदइंतजामी को ढांकने के लिए उसने आरएसएस को टोटका करने के लिए लगा दिया है। अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को दिखावे की समाजसेवा पर लगा दिया है।

इस लूट का समाधान क्या है

वैक्सीन के नाम पर प्राइवेट सेक्टर में कई तरह के रेट वसूले जाने का समाधान कन्फैडरेशन आफ आरडब्ल्यूए ग्रेटर फरीदाबाद ने पेश किया है। कन्फैडरेशन का कहना है कि निजी अस्पतालों के कैंपों में लगाई जा रही वैक्सीन के रेट तय हों यानी कहीं तो 1350 रुपये और कहीं 1000 रुपये की बजाय हर जगह एक ही रेट हो। हाल ही में कन्फैडरेशन ने इस संबंध में अपनी कार्यकारिणी की रणनीतिक बैठक निर्मल कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में आयोजित की। बैठक में कन्फैडरेशन के ट्रस्टी सदस्य रिटायर्ड विंग कमांडर सतेन्द्र दुग्गल, रेणु खट्टर, अरुण भारतीय, रोहित रावत, दिनेश सिंह और विक्रांत सिंह मौजूद थे।

कन्फैडरेशन ने जिन मुद्दों पर विचार किया, उसमें कहा गया कि सरकारी संस्थानों में जो वैक्सीन लग रही है, वहां वैक्सीन की बहुत कमी है। वहां बहुत ही कम संख्या में लोग वैक्सीन लगवा पा रहे हैं और आम जनता एक सेंटर से दूसरे सेंटर पर चक्कर लगा रही है। इसलिए फरीदाबाद स्वास्थ्य विभाग से मिलकर टीके लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के विषय में बात की जाए।

दूसरे सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कहा गया कि निजी अस्पतालों द्वारा लगाए जा रहे कैम्पों में महंगी दरों पर जो वैक्सीन लगाई जा रही है उनके रेट्स निर्धारित करवाये जाएं, जिससे आम नागरिक भी इस वैक्सीन को लगवा सके।

सनफ्लैग अस्पताल के बारे में जो चर्चा चल रहीं है कि सरकार इसे निजी हाथों में सौंपने जा रही है इसके लिए एक ज्ञापन केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूजर को दिया जाए जिसमें मांग की जाए कि सनफ्लैग अस्पताल को निजी हाथों में ना सौंप कर हरियाणा सरकार इसे खुद चलाए। इससे फरीदाबाद में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी।

कन्फैडरेशन के प्रधान निर्मल कुलश्रेष्ठ ने इस मौके पर कहा कि फरीदाबाद प्रशासन को संस्था हर प्रकार का सहयोग देने को तैयार है।

फरीदाबाद के गांवों में फैला रहे हैं अंधविश्वास- यज्ञ करो, कोरोना भाग जाएगा!

गांवों में घुमाई जा रही मोबाइल धूनी, पढ़े-लिखे युवकों ने किया विरोध

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: कोरोना की रफ्तार बेशक थम रही है लेकिन आरएसएस ने अब गांवों में प्रचार शुरू कर दिया है कि हवन करने से कोरोना भाग जाए। इसके लिए गांवों में ट्रैक्टर पर हवन सामग्री रखकर उसका धुआं घुमाया जा रहा है। इसे नाम दिया गया है - कोरोना नाशक गतिमान महायज्ञ । हालांकि फरीदाबाद जिले के गांवों में पढ़े-लिखे युवक इस कथित महायज्ञ को लेकर सवाल भी कर रहे हैं। वे इसे खुलेआम अंधविश्वास बता रहे हैं।

आरएसएस प्रचारक कथित महायज्ञ के धुएं से खुद को गुजारते हैं, तब उनकी देखादेखी बाकी लोग भी धुएं के बीच से निकलते हैं और वे मान लेते हैं कि कोरोना भाग गया है। आरएसएस ने खासकर गांवों को इसलिए भी चुना है कि इस समय किसान केंद्र की मोदी और राज्य की खट्टर सरकार से नाराज चल रहे है, ऐसे में इस टोटके से वे लोग फिर से भाजपा और संघ के प्रति हमदर्दी जताने लगेंगे। इसकी आड़ में अयोध्या में प्रस्तावित राम मंदिर का भी प्रचार जारी है। यह पूरा खेल गांवों की जनता का ध्यान बंटाने के लिए किया गया है।

किसानों को जोड़ने की गहरी चाल

आरएसएस ने कोरोना की आड़ में किसानों के बीच मोदी, खट्टर और भाजपा के प्रति हमदर्दी पैदा करने के लिए भाजपा किसान मोर्चा को आगे किया है। मजदूर मोर्चा संवाददाता के पास फरीदाबाद जिले के ग्रामीण अंचलों से आई सूचनाओं में बताया गया है कि जिले के बड़े गांव जैसे मलेरना, कौराली, तिगांव, चंदावली समेत फरीदाबाद के शहरी सीमा से लगे गांवों और सेक्टरों में भी आरएसएस ने अपने विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के जरिए प्रचार की कमान संभाली हुई है। इसके लिए संघ ने पतंजलि किसान सेवा समिति नामक नया संगठन भी तैयार किया है, पतंजलि की आड़ में उसके जरिए भी किसानों के बीच पहुंच बनाई जा रही है। पतंजलि सेवा समिति इसलिए बनाया गया है ताकि जिन गांवों में किसान भाजपा-संघ के विरोध में हैं तो उन जगहों पर इसी संगठन के जरिए घुसपैठ की जाएगी। संघ के सदस्य रातोंरात पतंजलि सेवा समिति के कार्यकर्ता बन गए हैं। इस संगठन के विस्तार के लिए हरियाणा के जाट बेल्ट वाले गांवों में भी घुसपैठ की तैयारी की जा रही है।

कौराली में क्या हुआ

बल्लभगढ़ के पास कौराली गांव के एक किसान होरी सिंह ने बताया कि मंगलवार को कौराली में प्रात: 6:00 बजे से 9:00 बजे तक गाँव की गलियों में ट्रैक्टर यज्ञ रथ यात्रा घुमाई गई। इसे जानबूझकर गांव को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) से शुरू किया गया। गांव के लोग इसे अस्पताल कहते हैं और यहां इलाज के लिए आते हैं। आरएसएस प्रचारकों ने सामग्री व गाय के घी से आहुतियां डालकर समस्त ग्रामवासियों से अपने-अपने घरों में नित्य-दिन यज्ञ व योग करने के लिए आग्रह किया। संघ प्रचारकों ने कहा कि इससे वायुमंडल शुद्ध होगा और कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव हो सकेगा। गांव की गली-गली व सभी चौराहों पर हवन की धूनी दी गई ताकि विषाणुयुक्त वातावरण सुगंधित हो सके और गाँव का कोई भी व्यक्ति बीमार ना हो। इस उद्देश्य के साथ यज्ञ वेदी में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियों को डाला गया। हालांकि इसी किसान ने बताया कि अब तक चार दिन हो चुके हैं लेकिन यज्ञ की धूनी से कोरोना नहीं भागा। गांव में बीमार वैसे ही अपने घरों में पड़े हैं। सरकार की तरफ से कोई इंतजाम नहीं है। गांव के किसान ने आरएसएस की तरफ से प्रचार करने वालों की पहचान भी बताई। उसके मुताबिक कौराली में संघ के प्रचारकों के साथ खुद को पतंजलि किसान सेवा समिति फरीदाबाद का प्रभारी बताने वाला अजीत, शास्त्री मित्रसेन, खेमी ठाकुर, अजीत वकील, शेर सिंह शास्त्री, बबलू, भगत सिंह. उमेद सिंह, सतपाल आदि थे।

तिगांव में भी हुआ ड्रामा

तिगांव में बुधवार को आरएसएस प्रचारकों के साथ कथित कोरोना नाशक गतिमान महायज्ञ में भाजपा के गजराज कौशिक अध्यक्ष तिगांव, महासचिव तिगांव गिर्राज त्यागी , महिला मंडल अध्यक्ष सपना शर्मा, महासचिव संगीता नेगी, सुखबीर आधाना, पंकज पाराशर, कर्मवीर बोहरा, नीरज, अनिल जैलदार, तिलक भाटी, तेज सिंह अधाना, प्रहलाद बांकुरा संयोजक किसान मोर्चा भाजपा आदि ने जमकर आहुतियां डलवाईं। इन लोगों ने अपने संबोधन में दावा कर दिया कि जब से फरीदाबाद में लोगों ने हवन यज्ञ करना शुरू किया है, फरीदाबाद में कोरोना के रोगी बढ़ने बंद हो गए हैं और लोगों के स्वास्थ्य में बहुत तेजी से सुधार आया है। इसलिए आप लोगो भी यज्ञ करते रहें। कोरोना इसी से भागेगा। तिगांव की आबादी बहुत ज्यादा है। लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे भाजपा-संघ का प्रचार मानते हुए इसमें हिस्सा नहीं लिया। तिगांव के युवकों सुनील, यशराज, भोले ने कहा कि कोरोना अगर यज्ञ से भागना होता तो मोदी जी खुद ही बता देते। मोदी जब ताली-थाली के बारे में बता सकते हैं तो यज्ञ के बारे में क्यों नहीं बताएंगे। यहां तक कि खट्टर और योगी ने भी एक बार भी यज्ञ करने का आह्वान नहीं किया। हमारे गांव में कुछ लोग अपनी नेतागीरी चमकाने के लिए ऐसा ड्रामा करते रहते हैं।

सेक्टर भी पीछे नहीं

फरीदाबाद के सेक्टर 55 और 91 में तो मोबाइल यज्ञ का आयोजन किया गया। ये दोनों सेक्टर गांवों से लगते हैं। दोनों सेक्टरों में आर्य समाज की आड़ लेकर आए आरएसएस के प्रचारकों ने कहा कि चूंकि सेक्टरों में लोगों के पास यज्ञ में बैठने के लिए समय नहीं है, इसलिए वे शहरों में मोबाइल यज्ञ कर रहे हैं। यानी यज्ञ हो चुका है, उसकी धूनी एक ठेले पर घुमाई जा रही है। शिवदत्त नामक युवक ने बताया कि आरएसएश प्रचारक बाकायदा माइक पर ऐलान कर रहे हैं कि लोग इस धूनी को सूंघें, इससे होकर गुजरें, कोरोना भाग जाएगा। अभी तक फरीदाबाद शहर में किसी ने यज्ञ के जरिए कोरोना भागने का दावा नहीं किया है।

खतरनाक है धुआं

तमाम डॉक्टरों ने ऐसे किसी भी यज्ञ के धुएं को कोरोना मरीजों के लिए खतरनाक बताया है। इस संबंध में शहर के कुछ बड़े और नामी डॉक्टरों से पूछा गया कि क्या यज्ञ के कुएं से कोरोना चला जाएगा। ये सभी डॉक्टर सनातन धर्म के मानने वाले हैं। नाम न छापने की शर्त पर इन लोगों ने कहा कि यह सब धार्मिक आस्था तक ही ठीक है लेकिन अगर किसी कोरोना मरीज को यज्ञ के धुएं या किसी अन्य सामग्री के धुएं से गुजारा गया तो उसकी मौत हो गई है। कोरोना मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होती है, ऐसे में अगर धुआं उसके फेफड़ों में गया तो वह ठीक होने की बजाया और बीमार पड़ जाएगा। उसकी जान भी जा सकती है। डॉक्टरों ने आरएसएस और भाजपा से ऐसा वाहियात और अंधविश्वासी प्रयोग फौरन रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देशभर में कोरोना की रफ्तार कम हो रही है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि फरीदाबाद के गांवों में या हरियाणा के किसी गांव में महायज्ञ करने से कोरोना का असर कम हो रहा है। कोरोना फिर वापस आएगा, इसके वैज्ञानिक प्रमाण मिल चुके हैं। संघ से अनुरोध है कि वह ऐसी घटिया हरकतों से किसी की जान से न खेले।

पद्मश्री ब्रह्मदत्त का वक्तव्य

पद्मश्री समाजसेवी और सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने वकील ब्रह्मदत्त का इस इस महायज्ञ के बारे में बहुत तीखा बयान सामने आया है। ब्रह्मदत्त संयोग से कौराली गांव के रहने वाले हैं, जहां आरएसएस ने किसानों के बीच जाकर महायज्ञ के जरिए कोरोना भगाने का दावा किया। पद्मश्री ब्रह्मदत्त ने कहा कि मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि हमारे कौराली जैसे गांव में कोरोना वायरस से निपटने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तरीके अपनाने के बजाय हवन, यज्ञ का सहारा लिया जाएगा। मेरा हवन यज्ञ में गहरा विश्वास है लेकिन यह एक धार्मिक अनुष्ठान है। इससे कोरोना वायरस खत्म करने का प्रयास पाखंड ही माना जाएगा। इस पर कई लोगों ने मुझसे अपना आश्चर्य व्यक्त किया। मेरा आग्रह है कि कौराली का समाज में एक अलग ही स्थान है, उसे धूमिल नहीं होने दें। आधुनिक भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए।